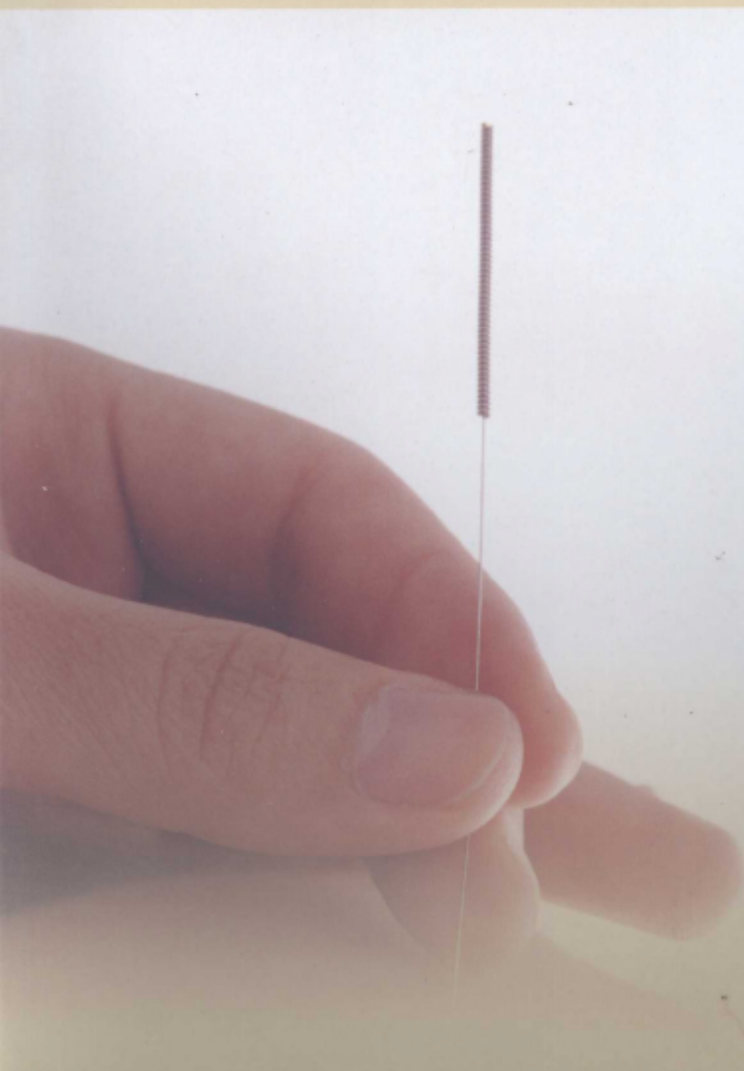


借

高等医药院校教材
供中医、中西医结合等专业用

针灸学

屈玉明 著 □



人民卫生出版社



R245-43

42

孙勇

封面设计

李蹊

版式设计

陈阮

责任校对

刘桦

针灸学

ISBN 7-117-06414-5



9 787117 064149 >

定价：20.00 元

图例 (10) 日期 2004

北京 屈玉明 著

人民卫生出版社 2004

高等医药院校教材

供中医、中西医结合等专业用

针灸学

屈玉明 著

117-08414-2NR·0412

人民卫生出版社

图书在版编目 (CIP) 数据

针灸学/屈玉明著. —北京:
人民卫生出版社, 2004. 10

ISBN 7-117-06414-5

I. 针… II. 屈… III. 针灸学 IV. R245

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2004) 第 091279 号

学 灸 书

著 屈玉明

针 灸 学

著 者: 屈玉明

出版发行: 人民卫生出版社 (中继线 67616688)

地 址: (100078) 北京市丰台区方庄芳群园 3 区 3 号楼

网 址: <http://www.pmph.com>

E-mail: pmph@pmph.com

邮购电话: 010-67605754

印 刷: 北京原创阳光印业有限公司

经 销: 新华书店

开 本: 787×1092 1/16 印张: 13.75

字 数: 290 千字

版 次: 2004 年 9 月第 1 版 2005 年 11 月第 1 版第 2 次印刷

标准书号: ISBN 7-117-06414-5/R·6415

定 价: 20.00 元

著作权所有, 请勿擅自用本书制作各类出版物, 违者必究

(凡属印装质量问题请与本社销售部联系退换)

编写说明

本教材是作者按照全国高等中医院校《针灸学》教学大纲的要求,根据成人和高职教育的特点,结合作者本人多年的教学经验编撰而成,主要供专科层次及高职高专各专业使用。

全书分四章。第一章“经络与腧穴”,论述经络的定义、经络系统的组成和循行路线,腧穴的定位、主治及操作等;第二章“刺灸方法”,分别叙述了各种针灸方法、拔罐法,以及耳针、头针和其它针法的基本知识和操作方法;第三章“治疗”,阐述八纲、脏腑、气血津液、经络证治和针灸治疗的原则、配穴处方、特定穴的运用,以及内、外、妇、儿、五官等科常见病证的治疗,第四章“参考资料”则选录了部分针灸歌诀,以便学生记忆。

本书在编写过程中,力求内容易学易懂,并力争突出针灸学的先进性、科学性、系统性、规范性、完整性和实用性,从培养、提高学生的思维能力和实践能力的角度出发,真正造就针灸专业的实用型人才。

由于作者水平有限,故本教材不可避免地存在不足和错误,恳请广大师生和读者提出宝贵意见,以便今后修订提高。

屈玉明

目 录

| | | |
|------------------------|--------------|------|
| (31) | 穴五(一) | |
| (31) | 穴六,穴八(二) | |
| (31) | 穴九,穴十(三) | |
| (41) | 穴会交,穴会交和人(四) | |
| (41) | 穴会八(五) | |
| (41) | 穴六(六) | |
| (41) | 穴合干(十) | (1) |
| 第一章 经络与腧穴 | | (4) |
| 第一节 经络总论 | | (4) |
| 一、经络系统的组成 | | (4) |
| (一) 十二经脉 | | (4) |
| (二) 奇经八脉 | | (6) |
| (三) 十二经别 | | (8) |
| (四) 十二经筋 | | (8) |
| (五) 十二皮部 | | (8) |
| (六) 十五络 | | (8) |
| 二、经络的根结、标本与气街、四海 | | (8) |
| (一) 根结与标本 | | (8) |
| (二) 气街与四海 | | (9) |
| 三、经络的生理功能和病理反应 | | (9) |
| (一) 生理功能 | | (10) |
| (二) 病理反应 | | (10) |
| 四、经络学说在临床上的应用 | | (10) |
| (一) 在诊断方面 | | (10) |
| (二) 在针灸治疗方面 | | (11) |
| (三) 在针刺麻醉方面 | | (11) |
| 第二节 腧穴总论 | | (11) |
| 一、腧穴的发展和分类 | | (11) |
| (一) 腧穴的发展 | | (11) |
| (二) 腧穴的分类 | | (12) |
| 二、腧穴的作用 | | (12) |
| (一) 近治作用 | | (12) |
| (二) 远治作用 | | (12) |
| (三) 特殊作用 | | (12) |
| 三、特定穴 | | (13) |

| | | |
|------|-------------------------|------|
| | (一)五输穴 | (13) |
| | (二)原穴、络穴 | (13) |
| | (三)俞穴、募穴 | (13) |
| | (四)八脉交会穴、交会穴 | (14) |
| | (五)八会穴 | (14) |
| (1) | (六)郄穴 | (14) |
| | (七)下合穴 | (14) |
| (1) | 四、腧穴的定位方法 | (14) |
| (4) | (一)骨度分寸折量法(又名骨度法) | (14) |
| (1) | (二)手指同身寸取穴法 | (15) |
| (4) | (三)简便取穴法 | (15) |
| (a) | (四)体表解剖标志定位法 | (15) |
| (8) | 第三节 经络腧穴各论 | (17) |
| (8) | 一、十二经脉 | (17) |
| (8) | (一)手太阴肺经 | (17) |
| (8) | (1)中府 | (17) |
| (8) | (2)尺泽 | (18) |
| (8) | (3)孔最 | (18) |
| (e) | (4)列缺 | (18) |
| (e) | (5)太渊 | (18) |
| (01) | (6)鱼际 | (19) |
| (01) | (7)少商 | (19) |
| (01) | (二)手阳明大肠经 | (20) |
| (01) | (1)商阳 | (21) |
| (11) | (2)二间 | (21) |
| (11) | (3)三间 | (21) |
| (11) | (4)合谷 | (21) |
| (11) | (5)阳溪 | (21) |
| (11) | (6)偏历 | (22) |
| (S1) | (7)手三里 | (22) |
| (S1) | (8)曲池 | (22) |
| (S1) | (9)肘髎 | (22) |
| (S1) | (10)臂臑 | (22) |
| (S1) | (11)肩髃 | (22) |
| (S1) | (12)迎香 | (23) |

| | | |
|------|----------|------|
| (38) | (三)足阳明胃经 | (24) |
| (38) | (1)承泣 | (25) |
| (38) | (2)四白 | (26) |
| (38) | (3)地仓 | (26) |
| (38) | (4)颊车 | (26) |
| (40) | (5)下关 | (26) |
| (40) | (6)头维 | (26) |
| (40) | (7)乳根 | (26) |
| (41) | (8)梁门 | (26) |
| (41) | (9)天枢 | (26) |
| (41) | (10)归来 | (27) |
| (42) | (11)伏兔 | (27) |
| (42) | (12)梁丘 | (28) |
| (42) | (13)犊鼻 | (28) |
| (42) | (14)足三里 | (28) |
| (42) | (15)上巨虚 | (29) |
| (42) | (16)条口 | (29) |
| (42) | (17)下巨虚 | (29) |
| (42) | (18)丰隆 | (29) |
| (42) | (19)解溪 | (30) |
| (42) | (20)内庭 | (30) |
| (42) | (21)厉兑 | (30) |
| (46) | (四)足太阴脾经 | (32) |
| (46) | (1)隐白 | (32) |
| (46) | (2)太白 | (33) |
| (46) | (3)公孙 | (33) |
| (46) | (4)商丘 | (33) |
| (46) | (5)三阴交 | (34) |
| (46) | (6)地机 | (34) |
| (46) | (7)阴陵泉 | (34) |
| (46) | (8)血海 | (34) |
| (46) | (9)大包 | (34) |
| (48) | (五)手少阴心经 | (36) |
| (48) | (1)极泉 | (38) |
| (48) | (2)少海 | (38) |

| | | |
|------|-------------------|------|
| (34) |(3)通里..... | (38) |
| (35) |(4)阴郄..... | (38) |
| (36) |(5)神门..... | (39) |
| (37) |(6)少冲..... | (39) |
| (38) | ·(六)手太阳小肠经..... | (39) |
| (39) |(1)少泽..... | (40) |
| (40) |(2)后溪..... | (40) |
| (41) |(3)腕骨..... | (40) |
| (42) |(4)阳谷..... | (41) |
| (43) |(5)养老..... | (41) |
| (44) |(6)支正..... | (41) |
| (45) |(7)小海..... | (42) |
| (46) |(8)肩贞..... | (42) |
| (47) |(9)天宗..... | (42) |
| (48) |(10)肩外俞..... | (42) |
| (49) |(11)肩中俞..... | (42) |
| (50) |(12)髃髎..... | (43) |
| (51) |(13)听官..... | (43) |
| (52) | ·(七)足太阳膀胱经..... | (44) |
| (53) |(1)睛明..... | (45) |
| (54) |(2)攒竹..... | (45) |
| (55) |(3)眉冲..... | (45) |
| (56) |(4)通天..... | (46) |
| (57) |(5)玉枕..... | (46) |
| (58) |(6)天柱..... | (46) |
| (59) |(7)大杼..... | (46) |
| (60) |(8)风门..... | (46) |
| (61) |(9)肺俞..... | (46) |
| (62) |(10)心俞..... | (46) |
| (63) |(11)膈俞..... | (46) |
| (64) |(12)肝俞..... | (47) |
| (65) |(13)胆俞..... | (47) |
| (66) |(14)脾俞..... | (48) |
| (67) |(15)胃俞..... | (48) |
| (68) |(16)肾俞..... | (48) |

| | | |
|------|---------------------|------|
| (38) |(17)大肠俞..... | (48) |
| (38) |(18)膀胱俞..... | (48) |
| (38) |(19)次髎..... | (48) |
| (38) |(20)承扶..... | (48) |
| (38) |(21)殷门..... | (49) |
| (38) |(22)委阳..... | (49) |
| (38) |(23)委中..... | (50) |
| (38) |(24)膏肓..... | (50) |
| (38) |(25)志室..... | (50) |
| (38) |(26)秩边..... | (50) |
| (38) |(27)承筋..... | (50) |
| (38) |(28)承山..... | (50) |
| (38) |(29)昆仑..... | (50) |
| (38) |(30)申脉..... | (50) |
| (38) |(31)至阴..... | (51) |
| (38) |(八)足少阴肾经..... | (53) |
| (38) |(1)涌泉..... | (54) |
| (38) |(2)太溪..... | (54) |
| (38) |(3)大钟..... | (55) |
| (38) |(4)照海..... | (55) |
| (38) |(5)复溜..... | (55) |
| (38) |(6)大赫..... | (55) |
| (38) |(7)俞府..... | (56) |
| (38) |(九)手厥阴心包经..... | (58) |
| (38) |(1)天池..... | (59) |
| (38) |(2)曲泽..... | (59) |
| (38) |(3)间使..... | (60) |
| (38) |(4)内关..... | (60) |
| (38) |(5)大陵..... | (60) |
| (38) |(6)劳宫..... | (60) |
| (38) |(7)中冲..... | (60) |
| (38) |(十)手少阳三焦经..... | (61) |
| (38) |(1)关冲..... | (61) |
| (38) |(2)液门..... | (61) |
| (38) |(3)中渚..... | (61) |

| | | | |
|------|---------------------|---------|------|
| (81) | (4) 阳池 | 命门火(51) | (62) |
| (81) | (5) 外关 | 命门火(51) | (62) |
| (81) | (6) 支沟 | 命门火(51) | (63) |
| (81) | (7) 肩髃 | 命门火(51) | (63) |
| (91) | (8) 髀风 | 命门火(51) | (63) |
| (91) | (9) 角孙 | 命门火(51) | (63) |
| (92) | (10) 耳门 | 命门火(51) | (64) |
| (92) | (11) 丝竹空 | 命门火(51) | (64) |
| (92) | (十一) 足少阳胆经 | 命门火(51) | (66) |
| (92) | (1) 瞳子髎 | 命门火(51) | (67) |
| (92) | (2) 听会 | 命门火(51) | (67) |
| (92) | (3) 颌厌 | 命门火(51) | (67) |
| (92) | (4) 悬厘 | 命门火(51) | (67) |
| (92) | (5) 曲鬓 | 命门火(51) | (67) |
| (12) | (6) 率谷 | 命门火(51) | (68) |
| (82) | (7) 完骨 | 命门火(51) | (68) |
| (94) | (8) 本神 | 命门火(51) | (68) |
| (94) | (9) 阳白 | 命门火(51) | (68) |
| (92) | (10) 头临泣 | 命门火(51) | (68) |
| (92) | (11) 正营 | 命门火(51) | (68) |
| (92) | (12) 风池 | 命门火(51) | (68) |
| (92) | (13) 肩井 | 命门火(51) | (69) |
| (92) | (14) 日月 | 命门火(51) | (69) |
| (82) | (15) 带脉 | 命门火(51) | (70) |
| (92) | (16) 维道 | 命门火(51) | (70) |
| (92) | (17) 环跳 | 命门火(51) | (70) |
| (90) | (18) 风市 | 命门火(51) | (70) |
| (90) | (19) 阳陵泉 | 命门火(51) | (70) |
| (90) | (20) 光明 | 命门火(51) | (71) |
| (90) | (21) 悬钟(又名绝骨) | 命门火(51) | (71) |
| (90) | (22) 丘墟 | 命门火(51) | (71) |
| (10) | (23) 足临泣 | 命门火(51) | (71) |
| (10) | (24) 侠溪 | 命门火(51) | (72) |
| (10) | (25) 足窍阴 | 命门火(51) | (73) |
| (10) | (十二) 足厥阴肝经 | 命门火(51) | (74) |

| | | |
|------|-------------------|------|
| (78) | ····· (1)大敦····· | (76) |
| (88) | ····· (2)行间····· | (76) |
| (78) | ····· (3)太冲····· | (76) |
| (78) | ····· (4)曲泉····· | (76) |
| (87) | ····· (5)章门····· | (77) |
| (88) | ····· (6)期门····· | (77) |
| (88) | 二、奇经八脉····· | (78) |
| (88) | ····· (一)任脉····· | (78) |
| (90) | ····· (1)曲骨····· | (79) |
| (90) | ····· (2)中极····· | (79) |
| (90) | ····· (3)关元····· | (79) |
| (90) | ····· (4)气海····· | (80) |
| (90) | ····· (5)神阙····· | (80) |
| (90) | ····· (6)水分····· | (80) |
| (90) | ····· (7)下脘····· | (80) |
| (90) | ····· (8)中脘····· | (80) |
| (91) | ····· (9)上脘····· | (80) |
| (91) | ····· (10)膻中····· | (80) |
| (91) | ····· (11)天突····· | (81) |
| (91) | ····· (12)廉泉····· | (81) |
| (91) | ····· (13)承浆····· | (81) |
| (92) | ····· (二)督脉····· | (82) |
| (92) | ····· (1)长强····· | (83) |
| (92) | ····· (2)腰阳关····· | (83) |
| (92) | ····· (3)命门····· | (83) |
| (92) | ····· (4)至阳····· | (83) |
| (92) | ····· (5)大椎····· | (84) |
| (93) | ····· (6)哑门····· | (84) |
| (93) | ····· (7)风府····· | (84) |
| (94) | ····· (8)脑户····· | (85) |
| (94) | ····· (9)强间····· | (85) |
| (95) | ····· (10)百会····· | (85) |
| (95) | ····· (11)前顶····· | (85) |
| (95) | ····· (12)上星····· | (85) |
| (95) | ····· (13)神庭····· | (85) |

| | | |
|------|-------------------------|------|
| (67) |(14)素髀..... | (85) |
| (67) |(15)水沟(又名人中)..... | (86) |
| (67) |(三)冲脉..... | (87) |
| (67) |(四)带脉..... | (87) |
| (67) |(五)阴维脉..... | (87) |
| (67) |(六)阳维脉..... | (88) |
| (67) |(七)阴跷脉..... | (88) |
| (67) |(八)阳跷脉..... | (89) |
| (67) | 三、经外奇穴..... | (90) |
| (67) |(一)头颈部穴位..... | (90) |
| (67) |(1)四神聪..... | (90) |
| (68) |(2)印堂..... | (90) |
| (68) |(3)鱼腰..... | (90) |
| (68) |(4)太阳..... | (90) |
| (68) |(5)牵正..... | (90) |
| (68) |(6)鼻通(又名上迎香)..... | (90) |
| (68) |(7)金津、玉液..... | (91) |
| (68) |(8)翳明..... | (91) |
| (68) |(9)百劳..... | (91) |
| (68) |(二)胸腹部穴位..... | (91) |
| (68) |子宫..... | (91) |
| (68) |(三)背部穴位..... | (92) |
| (68) |(1)定喘..... | (92) |
| (68) |(2)夹脊(又名华佗夹脊)..... | (92) |
| (68) |(3)腰眼..... | (92) |
| (68) |(四)上肢穴位..... | (92) |
| (68) |(1)二白..... | (92) |
| (68) |(2)腰痛点..... | (93) |
| (68) |(3)八邪..... | (93) |
| (68) |(4)四缝..... | (94) |
| (68) |(5)十宣..... | (94) |
| (68) |(6)落枕..... | (95) |
| (68) |(五)下肢穴位..... | (95) |
| (68) |(1)鹤顶..... | (95) |
| (68) |(2)百虫窝..... | (95) |

| | | |
|----------------------------|----------------|-------|
| (109) | (3) 膝眼 | （96） |
| (109) | (4) 胆囊穴 | （96） |
| (110) | (5) 阑尾穴 | （96） |
| (110) | (6) 八风 | （96） |
| (110) | | （96） |
| 第二章 刺灸方法 (97) | | |
| 第一节 毫针刺法 (97) | | |
| (111) | 一、毫针的构造、规格及修藏 | （97） |
| (113) | 二、针刺练习 | （98） |
| (113) | 三、针刺前的准备 | （98） |
| (114) | (一) 针具的选择 | （98） |
| (114) | (二) 体位的选择 | （98） |
| (114) | (三) 消毒 | （99） |
| (122) | 四、毫针刺法 | （99） |
| (122) | (一) 进针法 | （99） |
| (123) | (二) 针刺的角度和深度 | （101） |
| (123) | (三) 行针与得气 | （101） |
| (123) | (四) 针刺补泻 | （103） |
| (124) | (五) 留针与出针 | （104） |
| (124) | 五、针刺异常情况的预防和处理 | （104） |
| (124) | (一) 晕针 | （104） |
| (124) | (二) 滞针 | （104） |
| (124) | (三) 弯针 | （105） |
| (125) | (四) 断针 | （105） |
| (125) | (五) 血肿 | （105） |
| (125) | 六、针刺注意事项 | （105） |
| 第二节 灸法(附:拔罐法) (106) | | |
| (125) | 一、灸法的分类与应用 | （106） |
| (125) | (一) 艾炷灸 | （106） |
| (126) | (二) 艾条灸 | （108） |
| (126) | (三) 温针灸 | （108） |
| (126) | (四) 温灸器灸 | （108） |
| (126) | (五) 灯草灸 | （108） |
| | (六) 天灸-白芥子灸 | （109） |
| (127) | 二、注意事项 | （109） |

| | | |
|-------|----------------|------------|
| (89) | 【附】拔罐法 | (109) |
| (90) | 一、操作方法 | (109) |
| (90) | 二、注意事项 | (110) |
| (91) | 第三节 其它针法 | (110) |
| | 一、头针疗法 | (110) |
| (91) | (一)刺激区的部位和主治作用 | (110) |
| (91) | (二)操作方法 | (112) |
| (91) | (三)适应范围 | (113) |
| (92) | (四)注意事项 | (113) |
| (92) | 二、耳针疗法 | (113) |
| (92) | (一)耳郭表面解剖 | (113) |
| (92) | (二)耳穴的分布 | (114) |
| (92) | (三)常用耳穴的定位和主治 | (114) |
| (92) | (四)耳穴取穴原则 | (122) |
| (92) | (五)操作方法 | (122) |
| (101) | (六)注意事项 | (123) |
| (101) | 三、三棱针 | (123) |
| (103) | (一)操作方法 | (123) |
| (104) | (二)适应范围 | (124) |
| (104) | (三)注意事项 | (124) |
| (104) | 四、皮肤针 | (124) |
| (104) | (一)操作方法 | (124) |
| (105) | (二)适应范围 | (124) |
| (105) | (三)注意事项 | (125) |
| (105) | 五、电针 | (125) |
| (105) | (一)操作方法 | (125) |
| (106) | (二)适应证 | (125) |
| (106) | (三)注意事项 | (125) |
| (106) | 六、穴位注射法 | (125) |
| (108) | (一)常用药液和器械 | (126) |
| (108) | (二)穴位选择 | (126) |
| (108) | (三)操作方法 | (126) |
| (108) | (四)注意事项 | (126) |
| (109) | | 灸于花白-灸天(六) |
| | 第三章 治疗 | (127) |

| | |
|------------------------------|-------|
| (127) 第一节 治疗总论 | (127) |
| (128) 一、辨证举要 | (127) |
| (128) (一) 八纲证治 | (127) |
| (128) (二) 脏腑证治 | (128) |
| (130) (三) 气血津液证治 | (131) |
| (131) (四) 经络证治 | (132) |
| (132) 二、针灸的治疗作用 | (133) |
| (133) (一) 疏通经络 | (133) |
| (134) (二) 调和阴阳 | (133) |
| (134) (三) 扶正祛邪 | (133) |
| (134) 三、针灸配穴处方 | (134) |
| (134) (一) 取穴原则 | (134) |
| (135) (二) 配穴方法 | (135) |
| (135) 四、特定穴的应用 | (135) |
| (135) (一) 五输穴 | (135) |
| (136) (二) 俞穴、募穴 | (136) |
| (137) (三) 原穴、络穴 | (137) |
| (137) (四) 八脉交会穴 | (137) |
| (138) (五) 八会穴 | (138) |
| (138) (六) 郄穴 | (138) |
| (139) (七) 下合穴 | (139) |
| (139) (八) 交会穴 | (139) |
| (139) 第二节 治疗各论 | (139) |
| (139) 一、内科病证 | (139) |
| (139) (一) 中风 | (139) |
| (141) (二) 眩晕(附:高血压病) | (141) |
| (143) (三) 头痛(附:三叉神经痛) | (143) |
| (146) (四) 面瘫 | (146) |
| (146) (五) 痹证(附:肩关节周围炎、坐骨神经痛) | (146) |
| (149) (六) 腰痛 | (149) |
| (149) (七) 胁痛 | (149) |
| (151) (八) 痿证 | (151) |
| (152) (九) 痫证 | (152) |
| (152) (十) 癫狂 | (152) |
| (154) (十一) 不寐 | (154) |

| | | |
|-------|----------|-------|
| (137) | (十二)心悸 | (155) |
| (137) | (十三)感冒 | (156) |
| (137) | (十四)咳嗽 | (157) |
| (138) | (十五)哮喘 | (158) |
| (138) | (十六)呕吐 | (160) |
| (138) | (十七)呃逆 | (161) |
| (138) | (十八)胃痛 | (162) |
| (138) | (十九)腹痛 | (163) |
| (138) | (二十)泄泻 | (164) |
| (138) | (二十一)痢疾 | (166) |
| (138) | (二十二)便秘 | (167) |
| (138) | (二十三)脱肛 | (168) |
| (138) | (二十四)癃闭 | (169) |
| (138) | (二十五)水肿 | (170) |
| (138) | (二十六)遗精 | (170) |
| (138) | (二十七)阳痿 | (171) |
| (137) | 二、妇、儿科病证 | (172) |
| (137) | (一)月经失调 | (172) |
| (138) | (二)痛经 | (173) |
| (138) | (三)经闭 | (174) |
| (138) | (四)崩漏 | (175) |
| (138) | (五)带下 | (176) |
| (138) | (六)胎位不正 | (177) |
| (138) | (七)滞产 | (177) |
| (138) | (八)乳少 | (177) |
| (141) | (九)阴挺 | (178) |
| (143) | (十)急惊风 | (179) |
| (146) | (十一)遗尿 | (179) |
| (146) | (十二)疳疾 | (180) |
| (149) | (十三)疔腮 | (181) |
| (149) | 三、外科病证 | (181) |
| (151) | (一)风疹 | (181) |
| (152) | (二)疔疮 | (182) |
| (152) | (三)乳痈 | (183) |
| (152) | (四)肠痈 | (183) |